Ez – सदन में राज्य के निजी दृष्टान्त | 1

– Save This Page as a PDF–

सदन में राज्य के निजी दृष्टान्त

फरीसियों और इस्राएल राष्ट्र द्वारा अपनी आधिकारिक अस्वीकृति के दिन से ही, यीशु ने जनता से दृष्टांतों में बात की। जो लोग विश्वास करते हैं वे दृष्टान्तों को समझेंगे और जो लोग विश्वास नहीं करते हैं वे नहीं समझेंगे। येशुआ ने गलील सागर के किनारे अपने दृष्टान्तों को समाप्त किया (देखें Es – समुद्र के किनारे राज्य के सार्वजनिक दृष्टांत), और कफरनहूम में रहने वाले साइमन पीटर के घर में चले गए। किसी समय उनका परिवार प्रकट हुआ क्योंकि वे उनके बारे में चिंतित थे (देखें Ey – यीशु की माँ और भाई)। शाम को, जब वह अंततः अपने शिष्यों के साथ अकेला था, उसने सब कुछ समझाया (मरकुस 4:34)। जनता के लिए उद्देश्य सत्य को छुपाना था, विश्वासियों के लिए उद्देश्य सत्य को चित्रित करना था।

यदि बारहों में विश्वास था, तो उन्हें दृष्टान्तों से समझाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? शिक्षण का उपहार यही है। यदि परमेश्वर की बातों को सिखाया या समझाया नहीं जाना होता, तो शिक्षण के उपहार की कोई आवश्यकता नहीं होती। यही अंतर है. विश्वासयोग्य लोगों के लिए, एक बार जब इसे समझाया गया, तो उन्होंने इसे समझ लिया और इस पर विश्वास किया (देखें Ft – एक कनानी महिला का विश्वास)। परन्तु अविश्वासियों के लिए, सिखाया जाने के बाद भी, वे इसे नहीं समझेंगे, या यदि उनके लिए इसे समझना संभव होता, तो भी उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया होता।

जब वह बड़ी भीड़ में से अधिकांश को समुद्र के
किनारे छोड़कर पतरस के घर में दाखिल हुआ। उस शाम सूर्यास्त के बाद, उसके प्रेरित उससे इस दृष्टान्त के बारे में पूछते थे (मरकुस ७:१७)। वे वफादार आदमी थे जिन्हें सिखाया जाना ज़रूरी था। क्या यह आज हमारे लिए कम सच नहीं है? इसीलिए परमेश्वर की सभाओं में शिक्षण के उपहार की आवश्यकता है।

मिट्टी के परिचयात्मक दृष्टांत के बाद, दृष्टान्तों के चार अन्य दोहे हैं। दोहों का पहला सेट गलील सागर के किनारे बारहों और विश्वासियों और अविश्वासियों

Ez – सदन में राज्य के निजी दृष्टान्त | 2

से बनी बड़ी भीड़ को दिया गया था, और दोहों का दूसरा सेट कफरनहूम में पतरस के घर में प्रेरितों को दिया गया था। तीसरा दोहा छिपे हुए खजाने (इज़राइल) और महान मूल्य के मोती (अन्यजातियों) के दृष्टान्तों से युक्त है, जो दर्शाता है कि शत्रुता की विभाजनकारी दीवार टूट गई है (इफिसियों २:१४-१८) और यहूदी और अन्यजाति मिलकर अदृश्य सार्वभौमिक चर्च का निर्माण करते हैं। चौथा दोहा महाजाल (बचाया और खोया) और गृहस्थ (पुराना और नया) के दृष्टांतों से बना है, जहां हम वर्तमान जीवन और भविष्य के मसीहाई साम्राज्य के जीवन के बीच कुछ तुलनाएं देखते हैं।